जल महल पर सूर्य किरण और सारंग ने हैरतअंगेज करतबों से किया रोमांचित

आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स का प्रदर्शन किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ। भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की उपस्थिति रही। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जल महल की पाल से खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने पांच रंग-बिरंगे हेलिकॉप्टरों के साथ सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

हेलिकॉप्टरों की सटीक दूरी, संतुलन और तालमेल भारतीय वायु सेना के अनुशासन एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का जीवंत उदाहरण रहा, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की।

इसके पश्चात जब लाल-सफेद रंग के आकर्षक एचएडब्ल्यूके एमके-132 जेट विमानों ने उडान भरी तो वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लूप, बैरल रोल, उलटी उड़ान, फॉर्मेशन फ्लाइंग तथा लोकप्रिय 'डीएनए' संरचना जैसे जटिल और रोमांचक करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकाश में लहराते तिरंगे रंगों ने दर्शकों के मन में गर्व और देशभक्ति का भाव भर दिया।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के तीन प्रतिभाशाली पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही निवासी हैं। अपने गृह नगर में साहस, हुनर और कौशल का प्रदर्शन करना उनके लिए विशेष गौरव का क्षण रहा। दर्शकों ने जांबाज पायलटों के सम्मान में खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया।

यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणास्त्रोत बना। कार्यक्रम ने उनमें देशभक्ति, साहस और सैन्य सेवा के प्रति उत्साह का संचार किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। रविवार को जल महल पर एरोबैटिक डिस्प्ले का मुख्य एवं विस्तृत आयोजन किया जाएगा, जिसमें और भी भव्य हवाई करतब देखने को मिलेंगे।

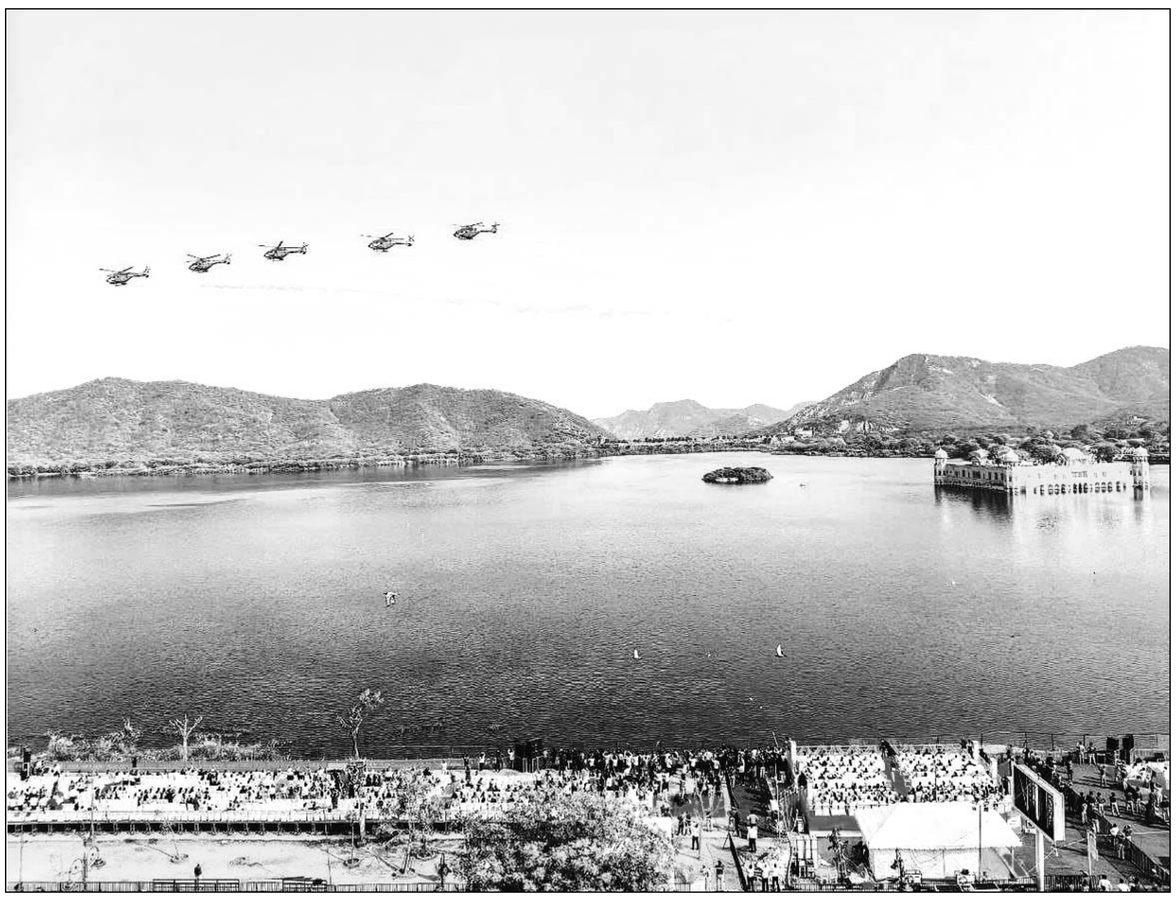

जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ।

आयकर छापेमारी में कान्हा ग्रुप के पास मिली करोड़ों रु. की ज्वैलरी

आयकर टीम को खुफिया स्ट्रॉन्ग रूम मिले जेवरात, एक करोड़ रु. नकद सहित 10 लॉकर चिन्हित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट (आयकर विभाग) की कार्रवाई शुक्रवार तीसरे दिन भी जारी रही। बुधवार सुबह शुरू हुई इस समन्वित छापेमारी में जयपुर सहित छह शहरों और मुंबई तक फैले 33 ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है। जयपुर में सर्वाधिक 26 परिसरों-कार्यालय, गोदाम और अन्य प्रतिष्ठानों-की जांच चल रही है।

■ **शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन कान्हा ग्रुप के 33 ठिकानों पर छापेमारी जारी रही**

आयकर विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान एक ठिकाने पर दीवार के पीछे बना खुफिया कक्ष मिला। संदेह होने पर दीवार तोड़ी गई तो भीतर मजबूत स्ट्रॉन्ग रूम मिला। जहां से करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य की ज्वैलरी बरामद हुई। सरकारी मूल्यांकनकर्ता आभूषणों का आंकलन कर रहे हैं। अब तक करीब एक करोड़ रुपये नकद भी जब्त किए जा चुके हैं। उससे यह साफ है कि यह टैक्स चोरी का आंकड़ा 100 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा।

इसके अलावा आयकर टीम को 10 बैंक लॉकरों की और जानकारी मिली है, जिन्हें खुलवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार लॉकरों में बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और सोना मिलने की आशंका है। सूत्रों की मानें तो आयकर विभगा की जांच का दायरा रेस्टोरेंट कारोबार से आगे बढ़कर रियल एस्टेट निवेश तक पहुंच गया है। आमेर स्थित ताज होटल और कूकस के कुंदन वन होटल में निवेश की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। विभाग को संदेह है कि लाभ कम दिखाकर धन को आलीशान संपत्तियों में लगाया गया। आयकर टीमें बैंक खातों, डिजिटल रिकॉर्ड, नकद लेन-देन, प्रॉपर्टी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डेटा की गहन जांच कर रही हैं। बड़ी मात्रा में फाइलें व डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए छापेमारी आगे भी जारी रहने की संभावना है।

रैलिंग तोड़कर स्कॉर्पियो में घुसी लोहे की रॉड

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा क्षेत्र में शुक्रवार अलसुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बनी लोहे की रैलिंग और जाली तोड़ते हुए उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि लोहे का एंगल वाहन का शीशा चीरता हुआ चालक के सीने में जा धंसा।

हैड कांस्टेबल रविंद्र कुमार ने बताया कि हादसे में आनंद सिंह शेखावत (28) निवासी सुंदर विहार करधनी की मौत हुई है। वह स्कॉर्पियो चला रहा था। उसके साथ उसका दोस्त शक्ति प्रताप (22) निवासी मुरलीपुरा बैठा था। जो इस हादसे में बाल-बाल बच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों दोस्त गुरुवार रात किसी कार्य से निकले थे।

रात करीब 2:40 बजे दादी का फाटक से मुरलीपुरा की ओर जाते समय केडिया चौराहे के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह रेलिंग से जा टकराया। सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस और दुर्घटना थाना पश्चिम की टीम मौके पर पहुंची।

रीको भर्ती की अंतिम तिथि 7 मार्च तक बढ़ी

जयपुर। राज्य के प्रतिष्ठित उपक्रम राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) में विभिन्न संवर्गों में चल रही भर्ती प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 मार्च 2026 कर दी गई है। साथ ही चार संवर्गों में कुल 23 पदों की वृद्धि की गई है।

पदों में की गई बढ़ोतरी के अनुसार सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-द्वितीय का 1 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 10 पद, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 11 पद तथा प्रारूपकार का 1 पद बढ़ाया गया है। पदों की संख्या में वृद्धि के चलते आवेदन की अंतिम तिथि को विस्तारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि रीको ने 20 जनवरी 2026 को कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक, प्रोग्रामर, सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय, कनिष्ठ विधि अधिकारी, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय, प्रारूपकार एवं कनिष्ठ सहायक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की थी। पद वृद्धि के बाद अब कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक एवं प्रोग्रामर के 1-1 पद, सहायक

■ **विभाग ने इस भर्ती में 23 पदों की बढ़ोतरी की**

लेखाधिकारी-द्वितीय के 22 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 14 पद, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 19 पद, प्रारूपकार के 9 पद तथा कनिष्ठ सहायक के 54 पदों पर भर्ती की जा रही है। अभ्यर्थी सभी पदों के लिए सात मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

जिन उम्मीदवारों ने पूर्व में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन किया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे अभ्यर्थियों को पूर्व आवेदन के आधार पर पात्र माना जाएगा, बशर्ते वे विज्ञापन की शर्तों की पालना करते हों। रीको में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर माना जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया, नियम एवं शर्तों तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी रीको की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

181 हैल्पलाइन पर 35 आईएएस सुनेंगे समस्याएं

जयपुर (कासं)। प्रदेश में आमजन की शिकायतों के समय पर निपटारे को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 35 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर सीधे ड्यूटी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सचिव से लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर तक के अधिकारी अब सचिवालय स्थित कॉल सेंटर में बैठकर खुद लोगों के फोन उठाएंगे। प्रत्येक अधिकारी प्रतिदिन कम से कम 10 कॉल रिसीव करेगा और समस्याओं का यथासंभव त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगा। इस संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे संपर्क पोर्टल पर दर्ज पुरानी लंबित शिकायतों में से कम से कम 10 मामलों का चयन करें, जिनका समाधान आसानी से संभव है लेकिन वे लंबे समय से अटके हुए हैं। इन मामलों का निस्तारण कर संबंधित व्यक्तियों को जवाब देना अनिवार्य होगा। अक्सर प्रमाण पत्र जारी करने, बिजली-पानी आपूर्ति, सफाई और अन्य बुनियादी सेवाओं से जुड़ी शिकायतें लंबित रहती हैं, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी 181 कॉल सेंटर का दौरा कर रहे हैं और आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमों में भी शिकायतों के त्वरित समाधान पर जोर दिया जा रहा है।

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण : मुख्यमंत्री

'अंतर्राष्ट्रीय मंच से देश की छवि को धूमिल करने का कांग्रेस का प्रयास निंदनीय'

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के प्रतिष्ठित और गौरवशाली अंतरराष्ट्रीय मंच पर कांग्रेस के आचरण को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व भारत की तकनीकी प्रगति, नवाचार क्षमता और उज्ज्वल भविष्य की सराहना कर रहा है, उस समय कांग्रेस द्वारा देश की छवि को धूमिल करने का यह प्रयास निंदनीय है।

■ **कांग्रेस ने हमेशा राजनीतिक स्वार्थ को राष्ट्रिहत से ऊपर रखा : भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट में विश्वभर से आए विदेशी प्रतिनिधि, निवेशक और दिग्गज तकनीक विशेषज्ञ भारत की बढ़ती वैश्विक साख, डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उभरती नेतृत्वकारी भूमिका पर सकारात्मक चर्चा कर रहे थे। ऐसे अवसर पर भी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय मंच से देश की छवि को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया नया नहीं है। कांग्रेस ने व्यापार समझौतों पर भ्रम फैलाने से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' और गलवान में वीरता दिखाने वाले सैनिकों के शौर्य पर प्रश्नचिह्न लगाने तक, अनेक अवसरों पर राष्ट्रिहत से ऊपर अपने राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस ने करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान को चुनौती दी है। भारत की प्रतिष्ठा किसी दल की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक अस्मिता से जुड़ी है। इसे आहत करने का अधिकार किसी को नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व को बिना विलंब देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। जनता कांग्रेस की इस नकारात्मक और अवसरवादी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

विधानसभा में भजनलाल सरकार के 2 वर्ष बनाम कांग्रेस के 5 वर्ष पर चर्चा आज

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सदन में बताया कि शनिवार को राजस्थान विधान सभा की बैठक होगी और इस दिन प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों ही नहीं होंगे। देवनानी ने बताया कि शनिवार को राजस्व की मांगों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि शनिवार को सरकार के 2 वर्ष प्रगति एवं उत्कर्ष 2024-25-2026

■ **सदन में आज प्रश्नकाल-शून्यकाल नहीं होंगे : देवनानी**

के प्रतिवेदन पर भी चर्चा होगी। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों सदन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के कार्यकाल की तारीफ करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 5 वर्षों की खामियों को उजागर किया था।

उन्होंने सदन में कांग्रेस को खुली चुनौती दी थी कि, वे अपने 2 वर्ष के कार्यकाल और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 5 वर्ष के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर चर्चा करने को तैयार है। इसके बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन में इसकी व्यवस्था दी थी।

इंटर डिस्कॉम तबादलों पर बनेगी उच्च स्तरीय समिति

जयपुर (विसं)। प्रदेश के पावर सेक्टर में इंटर डिस्कॉम तबादलों के मुद्दे पर सरकार ने उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में कार्यरत कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित स्थानांतरण संबंधी समस्याओं पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई जाएगी।

किरोड़ीलाल को हैसियत के अनुरूप पद नहीं मिला : रामकेश मीणा

सदन में उपनेता प्रतिपक्ष ने मंत्री किरोड़ीलाल की तारीफ में कसीदे गढ़े

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक एवं उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने विधानसभा में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की तारीफ करते हुए कई टिप्पणियां कीं, जिससे सदन का माहौल गर्मा गया। जिस पर सभापति ने आपत्तिजनक टिप्पणी को कार्यवाही से निकालने के निर्देश दिए।

रामकेश मीणा ने अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कहा कि, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने भाजपा के लिए काफी काम किया, लेकिन उन्हें उनकी हैसियत के अनुरूप पद नहीं मिला। उन्हें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या गृहमंत्री बनाया जाना चाहिए था।

इस पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने तंज कसते हुए कहा कि कहीं डॉ. किरोड़ी गंगापुर से चुनाव न लड़ लें, इसलिए उनकी तारीफ की जा रही है। जवाब में रामकेश मीणा ने कहा कि डॉ. किरोड़ी उनके समाज के बड़े नेता हैं और यदि वे गंगापुर से चुनाव लड़ते हैं तो वे स्वयं सीट खाली करने को तैयार हैं। रामकेश मीणा ने कहा कि पूर्वी राजस्थान में भाजपा को खड़ा करने में डॉ. किरोड़ीलाल की बड़ी भूमिका रही है और उनके साथ न्याय नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि पार्टी को उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

■ **मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने चुटकी लेते हुए कहा कि ''कहीं डॉ. किरोड़ी गंगापुर से चुनाव न लड़ लें, इसलिए उनकी तारीफ की जा रही है।'' जिसके जवाब में रामकेश मीणा ने कहा कि डॉ. किरोड़ी उनके समाज के बड़े नेता हैं और यदि वे गंगापुर से चुनाव लड़ते हैं तो वे स्वयं सीट खाली करने को तैयार है।''**

रामकेश ने कहा कि भाजपा पर जब भी कोई संकट आया तो इस बीजेपी को संकट से निकलने का काम किसी ने किया तो उसका नाम डॉ. किरोडी लाल मीणा है। ईआरसीपी को लेकर डूंगरी बांध का मामला चल रहा है। जहां आंदोलन में लाखों लोग इकट्ठे हुए है। बीजेपी का एक व्यक्ति डूंगरी बांध आंदोलनकारियों के बीच जाकर अपनी बात कह दे, तो मान लूंगा। आप किरोड़ीलाल मीणा को भेजेंगे, वहां बैठने के लिए कहेंगे। लेकिन जब अधिकार लेने के बात आती है तो उन्हें आखिरी पंक्ति में बैठा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि किरोड़ीलाल लाल मामूली व्यक्ति नहीं है, क्या समझ रहे हो भाजपा की ताबूत में आखिरी कील ठोकेगा तो वह किरोड़ीलाल मीणा है। आपने उनकी सारी शक्तियां छीन ली।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम ने आपत्ति जताते हुए कहा कि किरोड़ीलाल को कौन सी शक्ति नहीं दी, यह कौन सी डिमांड है? जोगेश्वर गर्ग ने कहा दौसा में उपचुनाव हुए तब भूल क्यों गए थे, किरोड़ी को क्यों हारे ? बहस के दौरान हुई तीखी टिप्पणियों से सदन का माहौल गरमा गया, हालांकि बाद में सभापति ने आपत्तिजनकर शब्दों को सदन की कार्यवाही से बाहर निकालने के निर्देश दिए। कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि सदन में जमाना कितना भी डिजिटल हो जाए लेकिन रोटी गूगल से डाउनलोड नहीं हो सकती। किसानों के ऋण वितरण समय पर होने चाहिए। ऋण माफ कर किसानों को परजीवी मत बनाओ। इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए।

आमेर मावठे में नौका विहार का लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

20 वर्षों के इंतजार के बाद गुलाबी नगरी में पुनः शुरू हुई व्यवस्था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध आमेर महल की तलहटी स्थित मावठा सरोवर में करीब दो दशक बाद फिर से बोटिंग सेवा शुरू की जा रही है। लगभग 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यहां ट्रायल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। जिससे आमेर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। परियोजना प्रभारी सुमित सिंह ने बताया कि 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे से ट्रायल शुरू होगा। ट्रायल सफल रहने पर इसी दिन से आम पर्यटकों के लिए आधिकारिक संचालन आरंभ कर दिया जाएगा। बोटिंग संचालन का अनुबंध पर्यटन विभाग ने जसराज इंफ्रा को दिया है। कंपनी ने सरोवर पर दो जेटी स्थापित की हैं।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में 25 पैडल बोट, 5 कश्मीरी शैली की शिकारा, 20 सीटर और 30 सीटर लग्जरी बोट संचालित की जाएंगी। 30 सीटर लग्जरी बोट विशेष आकर्षण रहेगी, जबकि हेरिटेज लुक वाली नावें भी जल्द शामिल की जाएंगी। किराया दरें शीघ्र घोषित की जाएंगी। वहीं अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा मानकों, जेटी प्रबंधन और रेस्क्यू सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है। सभी पर्यटकों को लाइफ जैकेट दी जाएगी तथा प्रशिक्षित नाविक, गोताखोर और रेस्क्यू बोट तैनात रहेंगी। हरी-भरी अरावली पहाड़ियों के बीच शांत जल में आमेर महल का प्रतिबिंब और तैरती नावें पर्यटकों को विशेष अनुभव देंगी। पर्यटन विभाग ने कालबेलिया नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम और भविष्य में लाइट एंड साउंड शो की भी योजना बनाई है। सरोवर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पर्यटकों के लिए बोटिंग करने का किराया भी जल्द तय किया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित नाविक और आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही मावठा सरोवर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

आमेर महल की तलहटी स्थित मावठा सरोवर में करीब दो दशक बाद फिर से बोटिंग सेवा शुरू की जा रही है। लगभग 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यहां ट्रायल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है।

सीवरेज प्लांट्स पर मंत्री के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों का वॉकआउट

यूडीएच मंत्री खर्रा ने अपने जवाब में इन प्रोजेक्ट्स की देरी के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया था

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में प्रदेश में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के अधूरे कार्यों को लेकर पूछे गए सवाल पर हंगामा हो गया। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

■ **मंत्री के जवाब पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू कर दिया, स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने अगला प्रश्न ले लिया। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट कर गए।**

इससे पहले उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने प्रश्न उठाया कि शहरों में व्यापक खुदाई की गई है, लेकिन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के काम अब भी अधूरे हैं। उन्होंने पूछा कि इन कार्यों को कब तक पूरा किया जाएगा।जवाब में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने पिछली सरकार के समय हुए टैंडरों में खामियां बताते हुए कहा कि कई परियोजनाओं में ऑपरेशन एंड मैनेजमेंट की शर्तों का पालन नहीं हुआ। सीवरेज पाइपलाइन डालते समय इनलेट और आउटलेट का स्तर सही नहीं रखा गया, जिससे तकनीकी दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा कि इन त्रुटियों को सुधारने के प्रयास किए जा रहे है। मंत्री के जवाब पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने अगला प्रश्न ले लिया। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट कर गए।संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के रवैये की निंदा करते हुए कहा कि अनुकूल जवाब नहीं मिलने पर वॉकआउट करना उचित नहीं है। वहीं बसपा विधायक मनोज न्यांगली ने भी आपत्ति जताते हुए कहा कि हंगामे और वॉकआउट से अन्य सदस्यों का समय प्रभावित होता है।